पंजाब केसरी 06-12-2024

जी.एम.एन. कॉलेज के हिन्दी विभाग और जनसंचार विभाग ने करवाई गीता पर समूह चर्चा

'गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन का दार्शनिक मार्ग भी प्रदान करती है'

अम्बाला, 5 दिसम्बर (बलराम): जी.एम.एन. कॉलेज के हिन्दी विभाग और जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य डा. रोहित दत्त के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को भगवद् गीता के महत्व से अवगत कराने के उद्देश्य से समूह चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को गीता के धार्मिक एवं दार्शनिक पहलुओं से परिचित कराना और उसके आधुनिक शिक्षा में व्यावहारिक उपयोग पर विचार-विमर्श करना था।

प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि विद्यार्थियों को हमारे धार्मिक ग्रंथों के महत्व को समझना चाहिए। गीता न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि यह जीवन का दार्शनिक मार्ग भी प्रदान करती है। यदि हमारे विद्यार्थी नियमित रूप से गीता का अध्ययन करें तो उन्हें जीवन के कठिन निर्णय लेने में मदद मिलेगी। गीता के शिक्षाप्रद संदेश जीवन में प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

इस समूह चर्चा की संयोजिका प्रो. सुषमा शर्मा ने कहा कि पूरा देश इन दिनों गीता जयंती उत्सव मना रहा है। इसी उपलक्ष्य में हमने विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए इस गतिविधि का आयोजन किया है। गीता का अध्ययन न केवल आध्यात्मिक दृष्टिकोण, बल्कि व्यावहारिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। समूह चर्चा के माध्यम से विद्यार्थी गीता के गूढ़ अर्थों को समझ सकते हैं और अपने जीवन में उसे लागू कर सकते हैं।

इस चर्चा में 'क्या गीता केवल धार्मिक ग्रंथ है या जीवन का दर्शन', 'आधुनिक शिक्षा में गीता का योगदान' और 'गीता के जीवन में व्यावहारिक उपयोग' जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने विचार सांझा किए। कार्यक्रम के अंत में, विद्यार्थियों ने गीता के महत्व को समझते हुए इसे अपने जीवन में शामिल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. रितु गुप्ता भी मौजूद रहीं।

जी.एम.एन. कॉलेज में भगवद् गीता पर समूह चर्चा करते विद्यार्थी। (देवदत्त)